श्री सम्मेदशिखराय नमः श्री पार्श्वनाथाय नमः श्री विद्यासागराय नमः

श्री १००८ जिन सहस्त्रनाम विधान एवं गुणायतन शिलान्यास महोत्सव

कुन्द-कुन्द मार्ग, शिखरजी मधुवन, जिला गिरिडीह (झारखण्ड)

मान्यवर,

तीर्थराज सम्मेदशिखर जैनधर्म का शिरोमणि तीर्थ है लाखों श्रद्धालु/पर्यटक यहां पर प्रतिवर्ष आते हैं। इतने बड़े तीर्थक्षेत्र पर दिगम्बर जैन समाज का काई भी धर्मायतन नहीं है जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को जैन धर्म का बोध हो सके। इसी अभाव की पूर्ति के लिए हम यहां एक विशिष्ट परियोजना को मूर्त रूप देने जा रहे हैं।

हम एनिमेशन और मोडल्स के माध्यम से जैन धर्म में प्रतिपादित चौदह गुणस्थानों को अत्यन्त सुन्दर और आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने जा रहे हैं।

गुणस्थान जैन दर्शन का एक विशिष्ट पारिभाषित शब्द है। गुणस्थान जीव के भावों को मापने का पैमाना है। समस्त जैन तत्वज्ञान और कर्म सिद्धान्त इसी के आधार पर विवेचित है। गुणस्थान सन्त शिरोमणि आचार्य श्री 108विद्यासागर जी महाराज के परम आशीर्वाद एवं मुनिवर 108श्री प्रमाणसागर जी महाराज की प्रेरणा एवं परिकल्पना से बनने जा रहा है। यह धर्मायतन जैन धर्म के परम्परागत मन्दिरों से भिन्न एवं अदभुत ''ज्ञान मंदिर'' होगा। हमने इसे गुणायतन नाम दिया है। शब्द संगीत और प्रकाशयुक्त यह परियोजना एक और जहां दर्शकों के भरपूर मनोरंजन के साथ जैन धर्म के प्रचार का आधार बनेगी वहीं दूसरी ओर कला एवं स्थापत्य का उत्कृष्ट नमूना बनेगी।

इसी धर्मायतन का शिलान्यास आगामी 20 फरवरी 2008से 24 फरवरी 2008तक विशेष अनुष्ठान एवं समारोह पूर्वक आयोजित होने जा रहा है।

आपसे साग्रह अनुरोध है कि उक्त अवसर पर सपरिवार पधार कर इस ज्ञान मन्दिर के निर्माण के साक्षी बनें।

भवन्निष्ट

संतोष सेठी (अध्यक्ष)

कार्यक्रम

20 फरवरी 2008	21 फरवरी से 23 फरवरी	22 फरवरी 2008	24 फरवरी 2008
ध्वजारोहण, पात्रशुद्धि, मन्डप शुद्धि एवं इन्द्र प्रतिष्ठा	प्रातः नित्यमह पूजा एवं जिन सहस्त्रनाम विधान	खनन मुहूर्त	शिलान्यास समारोह

कार्यक्रम स्थल - गुणायतन परिसर, कुन्द-कुन्द मार्ग, शिखरजी

सम्पर्क सूत्र - 9431144247, 9431140416, 9431920651, 9831050305

निवेदन - कृपया अपने आगमन की पूर्व सूचना दूरभाष द्वारा अवश्य दें, जिससे आपकी गरिमा अनुरूप व्यवस्था बनाई जा सके।

Printed at : Vikas Offset, Bhopal. 09425005624